बदलती राहें

Gunjan

वर्ष 01, अंक 31
धर्मशाला, सोमवार, 28 सितंबर 2015

पुलिस की निष्क्रियता देख नशे की खेप पकड़ने खुद सड़क पर उतरे विधायक

- **नशा बेचने वालों को पकड़वाने पर दस हजार ईनाम की भी घोषणा की**
- **बिलासपुर सदर के विधायक बंबर ठाकुर ने पुलिस प्रशासन को कोसा**

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के एक और विधायक ने नशे के खिलाफ मोर्चा खोला है। जिला कांगड़ा के सुलह विस क्षेत्र के विधायक एवं सीपीएस जगजीवन पाल के बाद जिला बिलासपुर के सदर विस क्षेत्र के विधायक बंबर ठाकुर ने नशे के खिलाफ न केवल आवाज बुलंद की है, बल्कि पुलिस की मदद न मिलने पर खुद नशे के कारोबारियों के खिलाफ समर्थकों सहित उतर पड़े। सत्ता पक्ष का विधायक होने के चलते यह बात और भी अहम हो गई है कि किस तरह प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ शिकंजा कसने के लिए गंभीर है। फिलहाल इस मामले में विधायक ने पुलिस सिस्टम पर भी हमला बोला है। उन्होंने जिला पुलिस प्रमुख की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए विधायक तक का फोन न उठाने के आरोप लगाकर पुलिस की कार्यप्रणाली कटघरे में ला खड़ी की है। इतना ही नहीं अपने क्षेत्र की युवा पीढ़ी को नशे के चंगुल से बचाने के लिए उन्होंने नशे के सौदागरों की सूचना देने पर स्वयं से दस हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की भी घोषणा की है।

नशे के बिलासपुर जिला में बढ़ते कारोबार व नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर सदर विधायक बंबर ठाकुर ने सार्वजनिक मंच से नाखुशी जाहिर की है। गत मंगलवार को बिलासपुर कालेज में राज्य स्तरीय हैंडबाल प्रतियोगिता के शुभारंभ पर विधायक बंबर ठाकुर ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर अपनी भड़ास निकाली। खेल प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के रूप में अपना संबोधन देते हुए उन्होंने कहा कि जिला में फैल रहे नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस प्रशासन बिल्कुल गंभीर नहीं दिख रहा है। जिला में पुलिस प्रशासन के नाक तले बिलासपुर शहर के विभिन्न स्कूलों व कालेज में नशे के व्यापारी सरेआम नशीले पदार्थ स्कूल व कालेज विद्यार्थियों को बेच रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रशासन खामोश बैठा है।

उन्होंने बताया कि नशे का यह सामान कुल्लू और चंडीगढ़ से बिलासपुर पहुंचाया जा रहा है। इसे अंजाम देने वाले नशे के व्यापारी स्थानीय ही हैं। इनके तार बाहरी नशा तस्करों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व उन्हें चंडीगढ़ से एक कार में नशे की एक खेप आने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने उसी रात आठ बजे से लेकर रात्रि 12 बजे तक लगातार पुलिस अधीक्षक बिलासपुर बलबीर ठाकुर के मोबाइल नंबर पर घंटी बजाते रहे, लेकिन अफसोस की बात है कि जिला में कानून व व्यवस्था बनाए रखने की कमान संभालने वाले इस अधिकारी ने चार घंटे तक उनका फोन तक नहीं उठाया।

मजबूरन रात्रि को वे स्वयं इन तस्करों को पकडने के लिए निकले। अपने

कार्यकर्त्ताओं को फोन लगाए व शहर में बिना पुलिस के नाकेबंदी की लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि तस्कर हाथ नहीं आए। लेकिन हड़बड़ाहट में तस्करों की गाड़ी रौड़ा सैक्टर स्थित भास्कर ऑटो के पास अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। गाड़ी में मौजूद तस्कर भागने में सफल हो गए।

विधायक ने बताया कि एसपी बिलासपुर के फोन न उठाने के बाद मौके पर पहुंचकर उन्होंने डीजीपी को फोन किया व सारे घटनाक्रम की जानकारी दी तब कहीं जाकर डीएसपी मुख्यालय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कार की तलाशी लेने पर उसमें से कोरैक्स व एल-10 नशे की गोलियों की एक बड़ी खेप बरामद हुई। बंबर ठाकुर ने कहा कि पुलिस को यह सब बताया गया कि नशे का यह सब सामान चंडीगढ़ से आता है। बिलासपुर शहर नशे के सामान का एक्सचेंज सैंटर बन चुका है। चंडीगढ़ से आने वाला नशे का यह सामान व कुल्लू से आने वाली भांग को तस्कर यहीं आपस में एक्सचेंज करते हैं। पुलिस को इस कार में मौजूद ठियोग क्षेत्र की लड़की का नाम व मोबाइल नंबर भी पुलिस को दे दिया गया। यह भी पुख्ता सूचना दे दी गई कि नशे की इस आड़ में जिस्म-फरोशी का धंधा भी होता है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अब तक पुलिस ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह सब बर्दाश्त नहीं होगा। पुलिस या प्रशासन का कोई कितना ही बड़ा अधिकारी हो उसे नशे के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी वरना वे शीघ्र ही शहर व जिला के अभिभावकों के साथ मिलकर एसपी कार्यालय व आवास के बाहर धरना देंगे।

उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में आने वाली पीढ़ी को खराब नहीं होने दिया जाएगा चाहे उसके लिए उन्हें कोई भी राजनीतिक कीमत अदा करनी पड़े। उन्होंने एक जिम्मेवार पुलिस अधिकारी का एक चुने हुए विधायक के फोन को न उठाना गैर जिम्मेदारा कृत्य है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को चेताया कि वे फोन न उठाने की अपनी यह गंदी आदत छोड़ें वरना जनता जल्दी ही उनके खिलाफ भी आंदोलन का बिगुल बजा देगी। उन्होंने कहा कि पुख्ता जानकारी है कि ब्वायज स्कूल रौड़ा, पंजगाई स्कूल, कंदरौर, बरमाणा व अन्य स्कूलों के बच्चे भांग व स्मैक के नशे का शिकार होते जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अभी 3-4 दिन पहले ही हरनोड़ा स्कूल का एक बच्चा स्मैक की ओवरडोज लेने के चलते मर गया। यदि आज भी जनप्रतिनिधि, बच्चों के अभिभावक व पुलिस नहीं जागी तो नशे की यह आदत धीरे-धीरे बढ़कर पूरी युवा पीढ़ी को खोखला कर देगी। उन्होंने जिला की सामाजिक संस्थाओं, महिला मंडलों व युवक मंडलों से आग्रह किया कि वे नशे की इस बुराई को रोकने के लिए आगे आएं, पुख्ता कार्यक्रम बनाएं। स्कूलों के प्रधानाचार्य भी इस बात पर खास ध्यान दें। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों व प्राध्यापक वर्ग से आह्वान किया कि आओ आज ही कसम खाएं की हम नशा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति यह न सोचे कि आज तो उसका बच्चा नशा नहीं करता उसे क्या पड़ी है। पड़ोसी का बच्चा बिगड़ता है तो बिगडने दो। कल नशे की यह लत उनके बच्चे व घर को भी बर्बाद कर सकती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि यदि किसी भी नशा बेचने वाले की उनके पास पुख्ता सूचना हो तो वे उन्हें यानी विधायक को अवश्य दें। उन्होंने मंच से घोषणा की कि पुख्ता सूचना देने वाले हरेक व्यक्ति को वे अपनी जेब से 10 - 10 हजार रुपए प्रति सूचना नकद इनाम देंगे व उसका नाम भी गुप्त रखेंगे।

By Dream-Wallpaper.com

एचआईवी नेहा को सीएससी ने मिलवाया योग्य वर

नेहा 27 वर्षीय महिला है जो एचआईवी पाजिटिव है। नेहा की माता और उसके 19 वर्षीय भाई भी एचआईवी पाजिटिव हैं। नेहा की माता जब एआरटीसी में दवा लेने के लिए आई तो वे सीएससी में भी आए और सीएससी के काउंसलर से उन्होंने काउसलिंग के दौरान बताया कि उसकी बेटी नेहा अब शादी के लायक हो गई है। वह उसकी शादी करवाना चाहती है। उन्होंने यह भी बताया कि वह उसकी शादी करवाने जा रही है। जब हमने उनसे पूछा कि लडका भी एचआईवी पाजिटिव है या नहीं तो उन्होंने कहा कि लडका एचआईवी पाजिटिव है या नहीं इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इस पर भविष्य में होने वाली समस्त कठिनाईयों के बारे में नेहा की माता को बताया गया। नेहा को भी संबंधित जानकारी प्रदान की गई। तब नेहा व उसकी माता को यह बात समझ में आई और नेहा की माता ने कहा कि वह उस लड़के से नेहा की शादी नहीं करेगी, जो एचआईवी पाजिटिव नहीं है। फिर उन्होंने आग्रह किया कि अगर सीएससी स्टाफ की नजर में कोई ऐसा लड़का हो तो वो जरुर उन्हें बताएं।

जानकारी के अभाव में मां कर रही थी अन्य लड़के से शादी

संयोगवंश दूसरे दिन ही सीएससी हमीरपुर ने एक ऐसे एचआईवी पाजिटिव लड़के को रजिस्टर किया जो कि सेना में कार्यरत है। किसी कार्यवश वह एचआईवी पाजिटिव हो गया था। सीएससी के काउंसलर ने उस लड़के के परिजनों से संपर्क किया तो पता चला कि लड़के के माता-पिता भी उसकी शादी करवाना चाहते थे। फिर क्या था सीएससी हमीरपुर के काउंसलर ने यह बात नेहा की मां से करी और दोनो तरफ के लोगों से सहमती लेकर उनके फोन नंबर एक-दूसरे को दे दिए। इसके पश्चात दो महिनों में उनकी शादी भी हो गई। आज नेहा अपनी गृहस्थी को अच्छी तरह से संभाल रही है और नेहा की मां भी अपनी जिम्मबारी से मुक्त हो चुकी है।

नेहा की मां जब भी सीएससी में आती है तो अपने साथ अन्य किसी क्लाइंटस को लेकर आती है और सीएससी के बारे में अन्य क्लाइंटस को भी जानकारी देती है।

दिल तक पहुंच जाती हैं ये तकलीफें

देश में दिल की बीमारियों से मरने वालों की संख्या सबसे अधिक है। अब लोग हृदय रोगों के बढ़ने के खतरों से वाकिफ भी होने लगे हैं। हाई ब्लड प्रेशर, असक्रियता, मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान के कारणों से हृदय रोगों और उम्र से पहले मौत का खतरा बढ़ता जा रहा है। कुछ बीमारियों की वजह से भी हृदय रोगों के होने की आशंका और बढ़ जाती है।

रूम्टॉयड आर्थराइटिस : यह एक क्रॉनिक बीमारी है। इससे पीड़ादायक सूजन की स्थिति पैदा होती है। जोड़ों में असामान्यता और कड़ापन, खासकर उंगलियों, कलाइयों, पैरों और एड़ियों में। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

गाउट : यूरिक एसिड के मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी के कारण आर्थराइटिस की समस्या होती है, खासकर पैरों की छोटी हड्डियों में। यह समस्या हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाने का काम करते हैं और उम्र से पूर्व मृत्यु को भी। यूरिक एसिड के स्तर को नियंत्रित करने और सही समय पर हृदय रोगों की पहचान व इलाज से उम्र से पूर्व मृत्यु को रोका जा सकता है।

डायबिटीज : हृदय रोगों का खतरा उन लोगों में चार गुना तक बढ़ जाता है जिन्हें डायबिटीज की समस्या होती है। डायबिटीज से ग्रसित व्यक्ति को हार्ट अटैक के कारण होने वाला दर्द डायबिटिक न्यूरोपैथी के कारण महसूस नहीं होता और उनमें साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा अधिक रहता है। इसकी वजह से समस्या का पता लगाने और उसका इलाज कराने में देर होती है। इनके अत्यधिक वजन बढ़ने, हाई ब्लड प्रेशर, बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होने और गुड कोलेस्ट्रॉल की कम होने की आशंका भी बढ़ जाती है और दिल के लिए भी खतरा बढ़ जाता है।

डिप्रेशन : हृदय रोग डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसी चीजों से और अधिक पोषित होते हैं। डिप्रेशन ना केवल हृदय रोगों के खतरे को बढ़ाता है बल्कि हार्ट अटैक या स्ट्रोक के बाद हील हो रहे लोगों में प्रक्रिया भी धीमी हो जाती है। इस समस्या से जूझ रहे लोगों की लाइफस्टाइल भी अनहेल्दी हो जाती है, धूम्रपान करने लगते हैं, असक्रिय हो जाते हैं और वजन भी बढ़ जाता है। जिन लोगों में हृदय रोग की पहचान हुई है उन्हें डिप्रेशन के लक्षणों की भी पहचान करानी चाहिए।

सोरायसिस : लाल, खुजली वाली छिलकेदार त्वचा केवल ऊपरी रूप में नहीं होती है। इससे जुड़े शोध के मुताबिक सोरायसिस त्वचा में गहराई तक फैले होने के साथ-साथ हृदय रोग, स्ट्रोक और अन्य ब्लड वेसल्स डिसीज जैसी समस्याएं भी इसके कारण हो सकती हैं। आमतौर पर यह देखा गया है कि सोरायसिस की समस्या अत्यधिक गंभीर होने पर हार्ट फेल्यिर का खतरा बढ़ जाता है।

किडनी से जुड़ी बीमारियां : क्रॉनिक किडनी डिसीज के कारण हृदय रोगों का खतरा स्वस्थ्य किडनी वालों की तुलना में दोगुना बढ़ जाता है। उनमें से अधिकांश की मृत्यु किडनी फेल्यिर के पहले ही हो जाती है। किडनी से जुड़ी बीमारियों के आखिरी स्टेज पर पहुंच चुके लोगों में 20 से 30 गुना अधिक कार्डियोवेस्कुलर डिसीज के होने का खतरा बढ़ जाता है। कई बार किडनी से जुड़ी बीमारियों के गंभीर ना होने पर भी हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा दोगुना हो जाता है।

कंपनी सेक्रेटरी और कॉस्ट अकाउंटेंट में कैरियर की राह

कानून और अकाउंटिंग दोनों में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए कंपनी सेक्रेटरी और कॉस्ट अकाउंटिंग कैरियर का एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आर्थिक विकास के साथ-साथ कानून और वाणिज्य दोनों क्षेत्रों से जुड़ी इस प्रोफाइल में भी संभावनाएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। सीएस या कॉस्ट अकाउंटेंट कोर्स से जुड़ी जानकारी इस प्रकार है।

सीएस की रूपरेखा

सीएस बनने के लिए 12वीं के बाद तीन चरणों की परीक्षा प्रक्रिया होती है। इसमें फाउंडेशन, एग्जीक्यूटिव और अंत में प्रोफेशनल परीक्षा शामिल होती है। ये सभी परीक्षाएं वर्ष में दो बार मई-जून और नवंबर-दिसंबर में आयोजित की जाती हैं।

फाउंडेशन

फाउंडेशन प्रवेश परीक्षा होती है। प्रत्येक वर्ष दिसंबर में फाउंडेशन देने के लिए 31 मार्च आवेदन की अंतिम तिथि होती है। जून में फाउंडेशन परीक्षा देने के लिए 30 सितंबर आवेदन की अंतिम तिथि होती है। इस परीक्षा के लिए न्यूनतम आठ माह पूर्व पंजीकरण कराना आवश्यक होता है। इसमें बिजनेस एन्वायरन्मेंट ऐंड इन्टरप्रिन्योरशिप, बिजनेस मैनेजमेंट एथिक्स ऐंड कम्यूनिकेशन, बिजनेस इकोनॉमिक्स और फंडामेंटल ऑफ अकाउंटिंग ऐंड ऑडिटिंग विषय शामिल होते हैं। यह परीक्षा 400 अंकों की होती है। प्रत्येक विषय से 100 अंकों के 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय प्रकार के होते हैं। इस परीक्षा में प्रत्येक विषय में न्यूनतम 40 अंक और कुल अंकों में न्यूनतम 200 अंक हासिल करना आवश्यक होता है।

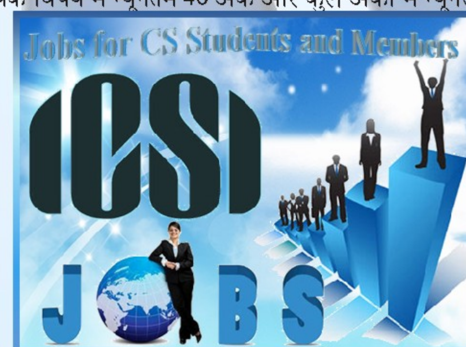

फाउंडेशन के विषय

1. बिजनेस एन्वायरन्मेंट ऐंड इन्टरप्रिन्योरशिप
2. बिजनेस मैनेजमेंट, एथिक्स ऐंड कम्यूनिकेशन
3.बिजनेस इकोनॉमिक्स
4. फंडामेंटल ऑफ अकाउंटिंग ऐंड ऑडिटिंग

प्रत्येक विषय की परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।

एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम

फाउंडेशन पास करने वाले अभ्यर्थियों को एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम की परीक्षा देनी होती है। इसे सीएस के इंटरमीडिएट कोर्स के नाम से भी जाना जाता है। इस परीक्षा के लिए न्यूनतम आठ माह पूर्व पंजीकरण कराना आवश्यक होता है। इस परीक्षा में दो मॉड्यूल होते हैं। प्रथम माड्यूल में चार विषय और दूसरे माड्यूल में तीन विषय होते हैं। प्रत्येक विषय की परीक्षा 100 अंकों की होती है। एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम की परीक्षा कुल 700 अंकों की होती है। इसमें प्रत्येक विषय में 40 अंक हासिल करना अनिवार्य होता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक माड्यूल में कुल अंकों का न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम के विषय

माड्यूल-।

पेपर 1 कंपनी लॉ
पेपर 2 कॉस्ट ऐंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग
पेपर 3 इकोनॉमिक ऐंड कॉमर्शियल लॉज
पेपर 4 टैक्स लॉज ऐंड प्रैक्टिस

माड्यूल-।।

पेपर 5 कंपनी अकाउंट्स ऐंड ऑडिटिंग प्रैक्टिस
पेपर 6 कैपिटल मार्केट ऐंड सिक ?योरिटी लॉज
पेपर 7 इंडस्ट्रियल, लेबर ऐंड जनरल लॉज

ट्रेनिंग

सीएस की इंटरमीडिएट परीक्षा पास करने के बाद 15 माह की आर्टिकलशिप के बाद फर्म के द्वारा सर्टिफिकेट देने के बाद ही सीएस की अंतिम परीक्षा फाइनल में शामिल होने दिया जाता है।

प्रोफेशनल के विषय

माड्यूल-।

पेपर 1: एडवांस कंपनी लॉ ऐंड प्रैक्टिस
पेपर 2: सेक्रेट्रियल ऑडिट, कॉप्लिऐंश मैनेजमेंट ऐंड ड्यू डिलिजेंश
पेपर 3: कॉर्पोरेट रिस्ट्रक्चरिंग, वैल्यूएशन ऐंड इनसॉल्वेंशी

माड्यूल-।।

पेपर 4: इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी ऐंड सिस्टम ऑडिट
पेपर 5: फाइनेंशियल, ट्रेजर ऐंड फॉरेक्स मैनेजमेंट
पेपर ६: एथिक्स, गवर्नेंस ऐंड सस्टेनबिलिटी

माड्यूल-।।।

पेपर 7: एडवांस टैक्स लॉज ऐंड प्रैक्टिस
पेपर 8: ड्रॉफ्टिंग, एपीयरेंश ऐंड प्लीडिंग
पेपर 9: निम्न पांच में से कोई एक

1. बैंकिंग लॉ ऐंड प्रैक्टिस
2. कैपिटल, कमोडिटी ऐंड मनी मार्केट
3. इंश्योरेंस लॉ ऐंड प्रैक्टिस
4. इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स-लॉज ऐंड प्रैक्टिस
5. इंटरनेशनल बिजनेस-लॉज ऐंड प्रैक्टिस

प्रोफेशनल परीक्षा

ट्रेनिंग पूरी होने के बाद सीएस की परीक्षा के अंतिम चरण प्रोफेशनल परीक्षा देनी होती है। इसमें तीन माड्यूल होते हैं। प्रत्येक माड्यूल में चार विषय होते है। प्रत्येक विषय 100 अंकों का होता है। प्रत्येक विषय में 40 अंक और समुह के कुल अंकों का न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होता है। प्रोफेशनल परीक्षा पास करने के बाद सीएस की डिग्री

संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया- www.icsi.edu

कोर्स के बाद क्या

विद्यार्थियों के प्लेसमेंट में सीएस संस्थान मदद करता है। सीएस करने के बाद आपकी नियुक्ति कानूनी सलाहकार के रूप में की जाती है। वे कंपनी को कार्पोरेट लॉ, कार्पोरेट गवर्नेंस, एथिक्स, कार्पोरेट सोशल रिसपांसबिलिटी, रिस्क मैनेजमेंट, कैपिटल मार्केट के बाद में सलाह देते हैं और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। शुरुआती वेतन लगभग 30 हजार रु. होता है। सीएस के बाद पीएचडी में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रयास

पीएलए फेसिलिटेटर्स के लिए जरूरी निपुणता, ज्ञान, रवैया और व्यवहार

पीएलए को सही ढंग से फेसिलिटेट करने कि लिए फेसिलिटेटर के पास ये गुण होना जरूरी है

ध्यान से सुनने का गुण

सही ढंग से सवाल पूछने का गुण
सामूहिक चर्चाओं को फेसिलिटेट करने की क्षमता
सही रवैया और व्यवहकार, जिससे सहभागिता, शिक्षा और गतिविधियों को प्रोत्साहन मिले
एचआईवी/एड्स संबंधी मुद्दों का ज्ञान
पीएलए टूल्स का ज्ञान और उनके इस्तेमाल का तरीका
टीम के रूप में काम करने की योग्यता
पीएलए सत्रों की योजना बनाने का ज्ञान
इस अंक में हम पीएलए निपुणता के बारे में चर्चा करेंगे। इसमें ध्यान से सुनना, प्रभावी ढंग से सवाल पूछना और समूहिक चर्चाओं को फेसिलिटेट करना शामिल हैं।

ध्यान से सुनना:

इसका आशय केवल सुनने भर से नहीं है। इसका मकसद लोगों को इस बात का अहसास कराने से है कि उनकी बात सुनी जा रही है। उसे गंभीरता से लिया जा रहा है। ध्यान से सुनने पर लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने में मदद मिलती है और वे अपने अनुभवों, विचारों व भावनाओं को ज्यादा खुल कर अभिव्यक्त कर पाते हैं। ध्यान से सुनने की प्रक्रिया में व्यक्ति :

1. दिलचस्पी और संवेदनशीलता दर्शाने के लिए देह भाषा का इस्तेमाल करता है। ज्यादातर संस्कृतियों में ऐसे मौके पर लोग बार-बार सिर झुकाते हैं और बोलने वाले व्यक्ति की तरफ रुख करके खड़े होते हैं या बैठते हैं।
2. कहीं जा रही बात में दिलचस्पी दिखाने के लिए चेहरे के भावों का प्रयोग करता है और जो कहा जा रहा है उस पर विचार करता है। इस प्रक्रिया में फेसिलिटेटर सीधे वक्ता की ओर देखता है। कुछ संस्कृतियों में आंख से आंख मिलाकर देखना तब तक ठीक नहीं माना जाता है, जब तक कि दोनों पक्षों के बीच एक हद तक विश्वास न बन गया हो। इस बात का फेसिलिटेटर्स को भी ध्यान रखना चाहिए।
3. बोले वाले की देहभाषा और स्वर पर ध्यान देते हुए इस बात का अहसास कराता है कि वह चिजों को कहने के तरीके पर भी ध्यान दे रहा है।
4. समझने की इच्छा शक्ति दर्शाने के लिए सवाल पूछता है।
5. जो कहा गया है उसको समझने के लिए उसका सार-संकलन करता है, फीडबैक मांगता है।

प्रभावी ढंग से सवाल पूछना:

पीएलए फेसिलिटेटर्स के लिए खासतौर से पीएलए आकलन के दौरान यह बेहद जरूरी है। सही ढंग से सवाल पूछने पर सामूहिक चर्चाओं में लोगों की सहभागिता बढ़ती है और समस्या समाधान में उनकी हिस्सेदारी को बढ़ावा मिलता है। प्रभावी सवाल-जवाब के लिए सवाल पूछने वाला व्यक्ति:

1. खुले सवाल पूछता है- मिसाल के तौर पर छह प्रमुख सहायक (क्यों ? क्या ? कब ? कहां ? कौन ? कैसे ?) प्रश्नों की सहायता से
2. लोगों के जवाबों की प्रतिक्रिया में और गहरे सवाल पूछता है ताकि मुद्दों को और अच्छी तरह खंगाला जा सके। इसके लिए बार-बार लेकिन क्यों ... ? पूछने में मदद मिलती है।
3. यह पूछने के लिए स्पष्टीकरण मांगता है कि लोग वाकई बात को समझ गये हैं। इसके लिए किसी पिछले सवाल को नई तरह पेश किया जा सकता है।
4. लोगों को कैसा महसूस हो रहा है। इस बारे में सवाल-जवाब पूछ कर उनकी राय जानने का प्रयास करता है।

सामूहिक चर्चाओं को फेसिलिटेट करना:

सामूहिक चर्चाओं में लोगों की सहभागिता बढ़ाने और समुदाय के ज्यादा से ज्यादा दृष्टिकोणों व रुचियों का समावेश करने के लिए यह गुण बहुत जरूरी है। अच्छी फेसिलिटेशन क्षमता से सामूहिक चर्चा और समस्या समाधान की गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलती है। इन चर्चाओं से सहमति विकसित करने और पीएलए तथा समुदायिक मोबिलाइजेशन प्रक्रिया के प्रति समुदायिक स्वामित्व का भाव विकसित करने में मदद मिल सकती है। पीएलए के दौरान सामूहिक चर्चाओं को फेसिलिटेट करते हुए

फेसिलिटेटर्स:

1. अपना परिचय देते हैं, सहभागियों को पीएलए सत्र के उद्देश्य व स्वरूप के बारे में बताते हैं
2. प्रत्येक सहभागी से समूह के सामने अपना परिचय देने के लिए कहते हैं
3. सुनिश्चित करते हैं कि सभी सहभागी सहज महसूस करें और एक-दूसरे को अच्छी तरह से देख व सुन पाएं
4. सत्र के उद्देश्यों तथा कितना समय उपलब्ध है इस बारे में सहभागियों के साथ सहमत हों
5. सहभागियों के साथ न्यूनतम नियमों पर सहमति बनाएं, जिनमें एक-दूसरे के दृष्टिकोणों को सम्मान देने तथा गोपनियता बनाए रखने की जरूरत पर भी सहमति हो।
6. सहभागियों के साथ इस बात पर भी सहमत हों कि चर्चा को किस तरह दर्ज किया जाएगा और सत्र के आखिर में इस रिकार्ड का क्या होगा। याद रखिए कि यह फेसिलिटेटर्स की नहीं बल्कि सहभागियों की पीएलए प्रक्रिया है। इसलिए पीएलए सत्र में तैयार की ड्राइंग और डायग्राम को उन्हें अपने पास ही रखने दीजिए। इससे पीएलए प्रक्रिया के प्रति उनके भीतर स्वामित्व का भाव बढ़ेगा। लेकिन फेसिलिटेटर्स इस कार्रवाई के नोट्स बना सकते हैं और रिकार्ड की प्रतियां रख सकते हैं। इनका बाद में इस्तेमाल किया जा सकता है।
7. सहभागियों को सत्र के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद देते हैं।
8. चर्चा में समूह के सभी सदस्यों का योगदान सुनिश्चित करने के लिए इस बात पर ध्यान देते हैं कि कौन औरों पर हावी हो रहा है और कौन हिस्सा नहीं ले रहा है (याद रखिए कि खामोश रहने के पीछे लोगों के अलग-अलग कारण हो सकते हैं-मुमकिन है वे गहन सोच में हों!)
9. सत्र के मुख्य बिंदुओं तथा ऐसी गतिविधियों का सार संकलन करते हैं, जिनके बारे में सहमति बन चुकी है।
10. सहभागियों को उनके समय और योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं तथा संभव हो तो अगली बैठक के लिए समय और स्थान का चुनाव करते हैं।

245 एचआईवी/एड्स पीड़ितों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा

धर्मशाला। गुंजन संस्था पिछले 12 सालों से एचआईवी/एड्स की रोकथाम एवं नशा निवारण के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहयोग से चलाए जा रहे क्षेत्रीय संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र, उत्तरी भारत-।। और संस्था ने लगभग 2700 से अधिक एचआईवी/एड्स संक्रमित लोगों के उत्थान के लिए कार्य किया है। संस्था अपने कम्युनिटी स्पोर्ट सेंटर के जरिये इनकी सहायता में दिन-रात लगी रहती है। इन एचआईवी संक्रमित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए संस्था ने कई कार्य किए हैं। नमें ऐसे लोगों की देखभाल व उपचार संबंधि सेवाएं तुरंत प्रदान करना, लोगों को एचआईवी/एड्स की दवाई नियमित तौर पर लेने के लिए परामर्श देना, संक्रमण को रोकने के लिए परिवार एवं साथियों के साथ एचआईवी की स्थिति बताकर संक्रमण को कम करना, सीएससी के माध्यम से 24 घंटे परामर्श प्रदान करके लोगों के जीवन यापन में सुधार लाना, सरकारी कार्यक्रमों से अवगत करवाकर इनका लाभ लेने के लिए सहायता करना, ऐसे लोगों के जीविकोपार्जन के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वावलंबन की ओर ले जाना, एचआईवी/एड्स को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करना, घर-घर जाकर लाभार्थियों को मनोवैज्ञानिक स्तर पर मजबूती प्रदान करके समाज की मुख्यधारा से जोड़ना शामिल है।

गुंजन संस्था मुहैया करवा रही हर प्रकार की सहायता

संस्था के निदेशक संदीप परमार ने बताया कि सितंबर माह में ही संस्था ने 245 एचआईवी/एड्स प्रभावितों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का काम किया है। इनमें प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना के तहत 134, आधारकार्ड सुविधा से 4, एआरटीसी यात्राभत्ता से 35, विधवा खाद्य सुरक्षा से तीन, बैंक अकाउंट से 10 और स्वास्थ्य संबंधि सेवाओं के तहत 59 लोगों को जोड़ा गया है।

आई.ई.सी. मेटिरियल डवेलप्मेंट - पोस्टर श्रृंखला

Gunjan Organisation for Community Development° Regional Resource & Training Centre North - II, Tapovan Road, Tehsil-Dharamshala, Distt. Kangra (H.P.) - 176057
Phone : 91-1892-235315, 208255, 9459082624, Email: rrtcnorth.hp@gmail.com, Website: www.gunjanindia.org